# रं कल्याण संस्था

(पंजीकरण संख्या-1452)
पंजीकरण कार्यालय : 4/353 विवेक खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
विस्तार कार्यालय : रं मं बं , चीड़ोंवाली विस्तार, लेन नं.-3, पोस्ट-ऑफिस-कंडोली,
राजपुर रोड, देहरादून-248001
email : rungkalyansanstha@gmail.com, Contact: 9412053774

प्रधान कार्यालय हेतु

श्री बिशन सिंह बौनाल
अध्यक्ष

श्री भवान सिंह सोनाल
उपाध्यक्ष

श्रीमती यशोदा तिंकरी
उपाध्यक्षा

डॉ० विक्रम सिंह रौंकली
महासचिव

श्री हितेन्द्र सिंह ह्यांकी
कोषाध्यक्ष

क्रमांक–2 / रंकसं / ए0जी0एम0 / 2022–23 दिनांक– 30–10–2022

## रं कल्याण संस्था के हल्द्वानी में आयोजित ए0जी0एम0–2022 / रं महोत्सव दिनांक 16–17 अक्टुबर 2022 के बैठक की कार्यवृत्त का विवरण

ए0जी0एम0–2022 / रं महोत्सव के उदघाट्न समारोह दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 के विशिष्ट अतिथि श्री अजय टम्टा जी, सांसद अल्मोड़ा पिथौरागढ़ क्षेत्र श्री बंशीधर भगत, माननीय विधायक कालाढूंगी क्षेत्र हल्द्वानी व श्री हरीश धामी जी माननीय विधायक धारचूला क्षेत्र को रं कल्याण संस्था के संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल व केंद्रीय अध्यक्ष श्री बिशन सिंह बौनाल व अन्य शाखा पदाधिकारी व आयोजन समिति व शाखा अध्यक्ष श्री होशियार सिंह ह्यांकी व उनके समस्त टीम (महिला व पुरुष) द्वारा पारंपरिक वाद्य यंत्रों तथा छोलियां नृत्य के साथ कार्यक्रम स्थल तक सम्मान के साथ मंचासीन किया गया तत्पश्चात् केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को भी मंचासीन किया गया। सभी विशिष्ट अतिथियों का महिलाओं द्वारा पुष्पगुच्छों से स्वागत व सम्मान किया गया। परंपरागत रूप से व्यंठल्वू / श्यिले पहनाकर व शौल ओढ़ाकर सभी विशिष्ट अतिथियों को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित करने के दौरान हल्द्वानी शाखा के महिलाओं द्वारा वार्षिक सम्मेलन के शुभ दिन में मंगलाचरण / स्वागत गीत गाकर अतिथियों का अभिनंदन किया और साथ में देहरादून शाखा के महिलाओं द्वारा वह गीत जिसे श्रीमती शान्ति नबियाल द्वारा रचित अपने उद्देश्यों में सफल होने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुये रं कल्याण संस्था के नाम से संस्था गीत गाकर सबको यह संकल्प करवाया कि हम सबको संस्था के लिये मेहनत करते हुये आगे बढ़ना है।

कार्यक्रम के अनुसार केंद्रीय अध्यक्ष श्री बिशन सिंह बौनाल जी ने रं कल्याण संस्था के अतिथियों के स्वागत संबोधन में कहा कि संस्था के मुख्य अतिथि श्री पुष्कर सिंह धामी जी, माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड तथा विशिष्ट अतिथि श्री अजय भट्ट जी, रक्षा राज्य मंत्री एवं पर्यटन राज्य मंत्री भी पार्टी के किसी कारण से नहीं पहुँच पाये, पर खुशी इस बात की है कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने वीडियो के माध्यम से घोषणा पत्र को पढ़कर प्रसारित किया जिसे कुछ ही देर में सुनाया जायेगा, जिसके लिये केन्द्रीय अध्यक्ष जी ने संस्था की तरफ से धन्यवाद व्यक्त किया। मंच में आसीन अन्य विशिष्ट अतिथि श्री अजय टम्टा जी सांसद अल्मोड़ा पिथौरागढ़ क्षेत्र, श्री बंशीधर भगत जी विधायक कालाढूंगी क्षेत्र हल्द्वानी एवं श्री हरीश धामी जी, माननीय विधायक धारचूला क्षेत्र एवं ब्लाक प्रमुख श्री धन सिंह धामी जी के साथ मंचासीन रं कल्याण संस्था के सभी पदाधिकारी, जीवन बीमा निगम के अधिकारी, जिलाधिकारी श्री धीराज सिंह गर्ब्याल एवं मंच संचालक श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी का स्वागत अभिनंदन किया और संस्था के उदघाट्न समारोह में सुदूर गाँव एवं प्रत्येक शाखा से पधारे सभी सदस्यों, महिलाओं एवं युवा वर्ग विशेषकर तेजम, नेपाल, रालम पातों से आये सांस्कृतिक ग्रुप एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति के लिये अध्यक्ष जी ने धन्यवाद देते हुये आभार जताया। इस समारोह में उपस्थित हमारे रं समाज के अति बुजुर्गगण जो 80 साल से ऊपर के हैं, उनका भी स्वागत अभिनंदन किया।

अध्यक्ष जी ने कहा कि वर्तमान पदाधिकारियों ने वर्ष 2018 से 2022 तक अपने जिम्मेदारियाँ निभाते हुये कोविड के दौरान विषम परिस्थितयों के बावजूद भी लगातार कल्याणकारी कार्यों को करने में सफल हुये। रं कल्याण संस्था ने लगातार अपने रं समाज के उपयोग हेतु ऐसे कई कार्य किये जैसे रं संग्रहालय–पुस्तकालय एवं विभिन्न शहरों जैसे देहरादून, लखनऊ, दिल्ली, बरेली, हल्द्वानी में भी परिसंपतियाँ जोड़ी गयी हैं, यह रं कल्याण संस्था के अथक प्रयास से अर्जित किये गये हैं। उनका रखरखाव करना काफी कठिन होता जा रहा है, जिसके लिये सभी सदस्यों के सहयोग लगातार जारी है। पिथौरागढ़ में रं छात्रावास का निर्माण किया गया है, जहाँ विद्यार्थियों के लिये छात्रावास की सुविधा प्रदान की गयी है। रं कम्युनिटी स्कूल को भी अंगीकार किये जाने का कार्य किया जा रहा है। कोविड के दौरान ऑनलाईन बैठक करके कई निर्णय लेते हुये संस्था के हित में कार्य करते रहे हैं। संस्था के लोगों में, रं मं बं –रं चिम के नाम में संशोधन किया गया। विभिन्न नियमावली में भी संशोधन किये गये। ओ0डी0आई0 के बदले ओ0पी0आई0 का नया प्रावधान किया गया, जिससे ओ0पी0आई0 के माध्यम से प्राप्त होने वाली सहयोग राशि से योजनाओं के लिये कार्यक्रम को चलाया जा सकेगा। धारचूला के राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज को दानवीर जसुली शौक्याणी दताल के नाम में करवाने हेतु राज्य सरकार को धन्यवाद व आभार जताया। अस्कोट के आई0टी0आई0 कालेज को धारचूला में स्थानांतरित कर स्थापित कर दिया गया ।

नैनीताल के डी0एम0 श्री धीराज गर्ब्याल जी ने जसुली धर्मशाला के जीर्णोद्धार हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाया है। देश के प्रधानमंत्री जी ने रं भाषा व रं संस्कृति के बारे मन की बात में संबोधन पूरे देश के सम्मुख व्यक्त किया था, जिससे हमारे रं समाज को बहुत गर्व महसूस किया। ओ0पी0आई0 नियमावली बनायी तो है पर अलग–अलग विषय पर अलग–अलग कमेटी बनायी जानी जरूरी है ताकि संस्था के कल्याणकारी योजनाओं को जल्दी से पूरा कराया जा सके। इसके लिये कोई भी अनुभवी सदस्य प्रोजेक्ट लेकर कार्य करना चाहे तो आगे आये और संस्था उन्हें सहयोग कर सके।

अध्यक्ष जी ने कहा कि रं कल्याण संस्था के द्वारा जो ज्ञापन तैयार किया गया है, उसे देहरादून में संरक्षक जी के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल के साथ जाकर माननीय मुख्यमंत्री जी को सौंप दिया जायेगा। पुनः सभी उपस्थित सुधीजनों का विशेषकर हल्द्वानी शाखा के अध्यक्ष एवं उनकी टीम जिन्होंने इस भव्य समारोह का आयोजन कराया, को स्वागत, अभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हुये अपने सम्बोधन को विराम दिया।

अध्यक्ष जी के संबोधन पश्चात मंच संचालक श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी ने कहा कि रं कल्याण संस्था के अमूल्य धरोहर "अमटीकर" पत्रिका व "रिंलैबा" पत्रिका को प्रधान संपादक व संपादक मंडली के सहयोग से दिन–रात मेहनत व लगन से तैयार किया गया है साथ ही साथ इन सृजन कर्ताओं का अभिनंदन व धन्यवाद दिया। इस पत्रिका का विमोचन उपस्थित सभी सदस्यों ने तालियों के साथ विशिष्ट अतिथियों के कर कमलों से किया गया। विमोचन पश्चात मंच संचालक महोदय द्वारा रं कल्याण संस्था के अमटीकर व संरक्षक जी को मंच पर अपना संबोधन व्यक्त करने हेतु अनुरोध किया।

रं कल्याण संस्था के संरक्षक महोदय श्री नृप सिंह नपलच्याल जी ने संबोधन के दौरान कहा कि इस उदघाट्न समारोह में मुख्य अतिथि श्री पुष्कर सिंह धामी जी माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड एवं श्री अजय भट्ट जी को भी आना था पर पार्टी के आवश्यक कार्य की वजह से नहीं आ पाये हैं। फिर भी विशिष्ट अतिथियों श्री अजय टम्टा, सांसद, अल्मोड़ा पिथौरागढ क्षेत्र एवं श्री बंशीधर भगत माननीय विधायक कालाढूंगी क्षेत्र हल्द्वानी एवं श्री हरीश धामी, धारचूला क्षेत्र के विधायक हर सुख–दुःख के साथी एवं उनके साथ पधारे धारचूला के ब्लाक प्रमुख श्री धन सिंह धामी व नैनीताल के कुशल प्रशासक जिलाधिकारी श्री धीराज गर्ब्याल, समारोह के संचालक एवं रं कल्याण संस्था के प्रमुख स्तम्भ श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी, रं समाज के अति वरिष्ठ नागरिकों, शाखा हल्द्वानी के अध्यक्ष श्री होशियार सिंह ह्यांकी व उनके टीम आदि अतिथियों का अभिनंदन करते हुये अपने संबोधन में कहा कि हमारी संस्था के स्थापित हुये 33 साल हो गये हैं। आज जो हम ए0जी0एम0–22/रं महोत्सव का आयोजन बड़ी

भव्यता से कर रहे है जहाँ रं समाज के प्रवासी लोग अन्य शहरो से भी पधारे हुये हैं। जैसा कि इससे पूर्व संस्था के अध्यक्ष श्री बिशन सिंह बोनाल ने कयी विषयों की जानकारी दी है इसलिये इसकी पुनरावृत्ति ना हो, अतः संक्षेप में संरक्षक जी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने हमारी समस्याओं को समझने की कोशिश की है, यह भी आश्वासन दिया था कि वे अवश्य इस समारोह में पधारेंगे, पर नहीं आ पाये। लेकिन खुशी की बात है कि मुख्य अतिथि जी ने घोषणाओं का वीडियो रिकार्डिंग करा कर भेजा है जिसे बाद में सुनाया जायेगा। संरक्षक जी ने कहा कि जिस तरह से देश के प्रधानमंत्री जी ने अपने मन की बात में रं समाज के बोली–भाषा व संस्कृति पर अपनी भावना व्यक्त की है अतः हम सबका यह विचार है कि ऐसे ही कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री जी को भी आमंत्रित किया जाये तो हमारा सौभाग्य होगा। इसलिये माननीय सांसद व विधायक जी से अनुरोध किया कि कभी वे माननीय प्रधानमंत्री जी को धारचूला में भी ले आयें। जहाँ हमारा रं संग्रहालय पूर्ण होने जा रहा है, जिसमें वे हमारी संस्कृति की झलक को भी देख सके। जिस तरह से आज हमारी संस्कृति खतरे में पड़ रही है और समस्त धारचूला वासी अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं जो हम सबके लिये नितांत चिंता का विषय है। जब से इनर लाइन को छियालेख व मार्छा स्थानांतरित किया गया है तब से धारचूला में कोई भी व्यक्ति कारोबार या सम्पति खरीद कर रहने लगे हैं तथा जो रोजगार हमारे स्थानीय लोगों को मिलना चाहिये था, उन्हें प्राप्त नहीं हो पा रहा है तथा हमारी संस्कृति और पहचान दोनों के लिये संकट उत्पन्न हो गया है। अतः इनर लाइन को जौलजीबी वापस ले आना अति आवश्यक हो गया है। संरक्षक जी ने कहा कि हम लोग सांप्रदायिक नहीं है बल्कि उदार हैं लेकिन हम लोग धारचूला को किसी भी कीमत पर कश्मीर के बारामुल्ला की तरह नहीं बनने देंगे। इसके अलावा हमारा पूरा धारचूला क्षेत्र बालू के ढेर पर बसा हुआ है ऐसा ना हो कि एक दिन काली नदी से कटाव तथा घटधार के भूस्खलन से सिन्धु घाटी की सभ्यता की तरह लुप्त ना हो जाय। एलधारा पहाड़ी की तरफ से भी भूस्खलन लगातार जारी है अतः हम लोग चाहते हैं कि उत्तरकाशी के वरूणावत पर्वत की तर्ज पर उपचार करने हेतु घोषणा के अनुसार तत्काल कार्यवाही की जाये।

उन्होंने यह भी कहा कि दारमा में बुकांग–बालिग हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को THDC को आबंटित किया है और अगर इसका डैम बनाया जाता है तो पर संपूर्ण दारमा क्षेत्र में पर्यावरणीय कुप्रभाव की वजह से भूस्खलन एवं भूकंप आने पर भीषण खतरा पैदा हो सकता है तथा क्षेत्र में कही भी पानी का रिसाव होने पर भी खतरा उत्पन्न हो जायेगा। इस पर माननीय मुख्यमंत्री जी ने पुनरीक्षण करने का आश्वासन दिया है। अन्त में संरक्षक जी ने इस समारोह में पधारे सभी लोगों को धन्यवाद देते हुये अपने संबोधन को विराम दिया।

संरक्षक जी के संबोधन पश्चात **विशिष्ट अतिथि श्री अजय टम्टा जी** ने अपने संबोधन में खुद को सौभाग्यशाली मानते हुये समारोह में पधारे बुजुर्गगणों को सम्मानपूर्वक प्रणाम करते हुये कहा कि हमारा लोकसभा क्षेत्र अंतिम बॉर्डर तक है इसलिये लंबी सीमा होने के कारण कार्य का क्षेत्र भी काफी बड़ा है। जैसा कि मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री जी के वीडियो रिकार्डिंग में घोषणा पत्र में लिखे सभी मांगों को पूरा करने का वायदा किया है वे भी उन्हें पूर्ण कराने के लिये प्रयासरत रहेंगे। माननीय सांसद जी ने 10 लाख रुपया रं संग्रहालय–पुस्तकालय, धारचूला के लिये अपने सांसद निधि से देने की घोषणा की।

माननीय अजय टम्टा जी के पश्चात, **श्री बंशीधर भगत विधायक कालाढूंगी क्षेत्र हल्द्वानी** ने समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रं समाज के लोग अपने संस्कृति को बचाने हेतु बहुत मेहनत करते हैं, अपनी वेषभूषा को अपनी पहचान बना कर रखा है। अपनी पहचान बनाने में रं समाज का कोई सानी नहीं है। अंत में माननीय श्री बंशीधर भगत जी ने अपने विधायक निधि से 30 लाख रुपये देने की घोषणा संस्था के हल्द्वानी स्थित सामुदायिक भवन के लिये की गयी, जिसके लिये उपस्थित जनसमुदाय द्वारा उनका आभार व्यक्त किया गया।

इसी बीच माननीय सांसद श्री अजय टम्टा जी व श्री बंशीधर भगत जी को किसी प्रोग्राम में जाना आवश्यक था अतः उनके एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा उदघाट्न समारोह में पधारे हमारे रं समाज के अति बुजुर्गगणों को उनके सम्मान में शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

अंत में **श्री हरीश धामी जी, विधायक धारचूला क्षेत्र** द्वारा अपने सम्बोधन में माननीय विधायक जी ने कहा कि वे अक्सर कहा करते हैं कि अगर किसी एन0जी0ओ0 से कुछ सीखना है तो रं कल्याण संस्था से सीखना चाहिये। यह ऐसी संस्था है जो लोगों के समस्याओं को देखती है, किसी के पद को नहीं देखती। आज यहाँ चारों घाटी के लोग उपस्थित हैं। उत्तराखंड विधानसभा में मुझे तीसरी बार पहुँचाने के लिये वे सबके आभारी हैं। चारो घाटी के तरफ से जो भी प्रस्ताव देंगे वे सबसे पहले कार्य करेंगे। माननीय विधायक श्री हरीश धामी जी ने चारो घाटी के लिये (दारमा, व्यास, चौदास व रालम पातों) के लिये प्रत्येक को 10–10 लाख रूपये कुल चालीस लाख रूपये की घोषणा की। सभी लोगों ने इस घोषणा के लिये तालियाँ बजाकर स्वागत किया। रं राजू के सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु इनर लाइन से संबंधित विषय पर उन्होंने कहा कि वे इस विषय पर अपनी ओर से पूरी कोशिश करेंगे और सरकार को झुकने पर मजबूर कर देंगे। अंत में माननीय विधायक जी ने उदघाटन समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिये अपनी तरफ से 20,000/– (बीस हजार रुपये) की घोषणा कर अपने संबोधन को विराम देकर संस्था को बधाई व शुभकामनाएँ दी।

सभी अतिथियों के संबोधन के पश्चात धन्यवाद ज्ञापन हेतु हल्द्वानी शाखा के अध्यक्ष श्री होशियार सिंह ह्यांकी के द्वारा उदघाट्न समारोह में पधारे सभी अतिथियों, केंद्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, समस्त शाखा के पदाधिकारियों, एल0आई0सी0 से पधारे क्षेत्रीय प्रबंधक, रं समाज के बुजुर्गगणों, युवा शक्ति, महिला शक्ति सभी का अभिनंदन करते हुये धन्यवाद दिया। ए0जी0एम0–2022 के आयोजन में सहयोग करने वाले नैनीताल के जिलाधिकारी श्री धीराज गर्ब्याल, अपर आयुक्त कुमाऊँ श्री जीवन सिंह नंगन्याल व समस्त टीमों का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद दिया।

**दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 के प्रथम सत्र के एजेन्डा बिन्दुओं पर परिचर्चा–**

**(दिनांक 16 अक्टूबर, 2022 की उपस्थिति पंजिका संलग्न है)**

केन्द्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में संस्था के वार्षिक आम सभा में केन्द्रीय महासचिव द्वारा प्रथम सत्र के मुख्य एजेन्डा बिन्दुओं पर प्रकाश डालते हुये परिचर्चा हेतु सभी उपस्थित सदस्यों के विचारार्थ एवं अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया।

1– पिछले वार्षिक आम सभा दिनांक 29–05–2022 के कार्यवृत पर परिचर्चा के उपरान्त सर्व सम्मती से सभी सदस्यों ने इस कार्यवृत का अनुमोदन किया गया।

2– केंद्रीय कार्यकारिणी के महासचिव के द्वारा वार्षिक प्रतिवेदन–2021–22 प्रस्तुत किया गया। जिसमें रं कल्याण संस्था के द्वारा उक्त अवधि में जो कार्य संपन्न किये गये उनका विवरण भी प्रस्तुत किया गया, जिसका सम्पूर्ण सदन के द्वारा अनुमोदन किया गया।

3– केंद्रीय कोषाध्यक्ष श्री हितेन्द्र ह्यान्की ने संस्था के वित्तीय वर्ष 21–22 के ऑडिटेड वार्षिक लेखा जोखा का विस्तार से प्रस्तुतिकरण किया जिसे विचारोंपरान्त सदन में उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया।

4– केंद्रीय कोषाध्यक्ष द्वारा रं कल्याण संस्था के वार्षिक बजट 2023–24 का भी प्रस्तुतिकरण किया गया जिसमें कुछ बजट के बिन्दुओं पर संसोधन करते हुये इसे सदन द्वारा अनुमोदित किया गया।

5– संस्था के वैधानिक लेखा परीक्षक (चार्टेड अकॉउटेंट) बवेजा गुप्ता एण्ड कम्पनी की नियुक्ति वर्ष 2023–24 के प्रस्ताव को सदन में उपस्थित सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया ।

इस प्रथम सत्र के एजेन्डा विन्दुओं पर परिचर्चा पश्चात सायंकाल 7:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

**दिनांक 17 अक्टुबर, 2022** को श्री बिशन सिंह बोनाल अध्यक्ष रं कल्याण संस्था की अध्यक्षता में द्वितीय सत्र के एजेन्डा बिन्दुओं पर परिचर्चा हेतु कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया ।

**(दिनांक 17 अक्टुबर, 2022 की उपस्थिति पंजिका संलग्न है)**

कार्यक्रम के प्रारम्भ में संरक्षक, रं कल्याण संस्था के द्वारा अपने प्रारम्भिक सम्बोधन में कहा कि हम लोगों का औपचारिक समारोह रं महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज के सत्र में अगले ए0जी0एम0 के लिये आयोजन स्थल का चयन करते हुये नये केन्द्रीय कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों का चुनाव भी किया जाना है। संस्था को सभी शाखाओं को जागरुक करते हुये भावी योजनायें भी बनानी है। धारचूला की समस्याओं के लिये पिथौरागढ़ शाखा द्वारा प्रोएक्टिव होकर कार्य को आगे बढ़ाना चाहिये। देहरादून में उपस्थित पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों के द्वारा राज्य सरकार से निरंतर संपर्क बनाते हुये तीन–चार बार माननीय मुख्यमंत्री जी से मुलाकात कर अपनी बाते रखी गयी। यह देखा गया है कि व्यास व दारमा के निवासी अपने गाँवों में रहते हुये अपनी समस्याओं को बार–बार उठाते हैं पर माईग्रेशन के पश्चात अपनी बातों को प्रशासन के सम्मुख नहीं रखा जाता है। धारचूला शाखा द्वारा शाखा की गतिविधियों के बारे में प्रतिवर्ष वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर स्थानीय सदस्यों को उपलब्ध किया जाना चाहिये ताकि स्थानीय स्तर पर लोगों को पता चले कि शाखा द्वारा समाज के हित में क्या–क्या जनोपयोगी कार्य संपन्न किये जाते हैं।

संरक्षक जी के प्रारम्भिक संबोधन के पश्चात अध्यक्ष जी ने कहा कि सभी एजेण्डा को समय से पूर्ण कर पायें अतः महासचिव से अनुरोध है कि द्वित्तीय सत्र के एजेन्डा बिन्दुओं पर चर्चा करायें। महासचिव ने सभी एजेन्डा बिन्दुओं को बिस्तार से पढ़ते हुये यह अनुरोध किया कि जिस किसी सदस्य को प्रश्न पूछना हो अथवा किसी बिन्दु पर स्पष्टीकरण की आवश्यकता हो तो कृपया ए0जी0एम0 के दौरान ही पूछे ताकि हर प्रश्न का जवाब दिया जा सके साथ ही भविष्य में यदि ऐसा कोई शंका या समाधान करना हो अथवा प्रश्न पूछना हो तो कृपया केन्द्रीय कार्यकारिणी के बैठकों में विशेष आमंत्री के रूप में उपस्थित रहकर चर्चा करें, ताकि सोशल मीडिया में अनावश्यक बहस अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न हो तथा बैठकों में ही सार्थक चर्चा कर ऐसे प्रश्नों/बिन्दुओं पर ठोस निर्णय लिये जा सकें।

**एजेन्डा नं –1 संस्था की समस्त शाखाओं द्वारा अपनी शाखा के क्रियाकलापों पर प्रस्तुतिकरण :–**

**धारचूला शाखा**– धारचूला शाखा के सचिव श्री दिनेश चलाल ने शाखा धारचूला के क्रियाकलापों पर प्रस्तुतिकरण के दौरान कहा कि धारचूला शाखा में गतिविधियों तो होती रहती है लेकिन अधिकांश युवा बेरोजगार होने की वजह से रोजगार हेतु अपना समय नहीं दे पाते हैं। जब जनहित में कोविड के दौरान भी अन्न योजना व मेडिकल किट गाँव गाँव जाकर वितरित किया गया तो सभी ने सराहना की जिससे हम लोगो को "कोरोना योद्धा" के सम्मान से सम्मानित किया गया। धारचूला में कई तरह के कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते रहे है विशेषकर स्व0 नंदराम लाला जी के जन्म दिन में "रंल्वू दिवस" को 10 जनवरी को मनाया जाता है जिसे शाखा द्वारा भी समन्वय किया जाता है। धारचूला में म्यूजियम देखने बड़े–बड़े अधिकारी, आर्मी आफिसर व सेवानिवृत अधिकारी भी आते रहते है उनको सम्मानित भी किया जाता है। शाखा सचिव ने यह उम्मीद प्रकट किया है अगर सेवानिवृत रं लोग भी शाखा में अपनी जिम्मेदारी निभाये तो हमारी बातो को रं कल्याण संस्था तक आसानी से पहुंचा सकेंगे और कहा कि वर्तमान केंद्रीय अध्यक्ष जी के कार्यकाल के दौरान अनेकों बार शाखा में बैठक का आयोजन किया था ताकि जो सभी कार्य हो रहा है या होने वाला है उसमे गति आये।

इस तरह शाखा सचिव धारचूला के प्रस्तुतिकरण के पश्चात **श्री मंगल सिंह कुटियाल** ने सुझाव रखते हुये कहा कि शाखा को सशक्त करना जरूरी है जिसके लिये सभी को सहयोग करना होगा। धारचूला शाखा सबसे बृहत शाखा होने के कारण जिम्मेदारियाँ भी ज्यादा है।

**श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी (भूतपूर्व महासचिव)** ने शाखा को सशक्त करने हेतु कुछ महत्वपूर्ण सुझाव रखे थे धारचूला शाखा के अपनी समस्याओं के होते हुये भी वे अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभा रहे है जैसे कोविड के दौरान किये गये कार्य प्रशंसनीय थे।

1. शाखा को अपनी कार्यक्षेत्र को बढ़ाना होगा, क्योंकि पदाधिकारियों के स्वरोजगारी होने के कारण वे पूरा समय समर्पित नहीं कर सकते तथा उनकी भी अपनी समस्यायें होती हैं। धारचूला में भी सेवानिवृत अनुभवी लोगों की आवश्यकता है। धारचूला शाखा को सशक्त करने के लिये रं सेवानिवृत्त लोग या कोई भी रं जो अधिकांश समय धारचूला आते–जाते रहते हैं उनको भी पदाधिकारी बना सकते है। समय–समय पर उनको कंनसल्टैन्सी की जरूरत भी पड़ सकती है और लीगल सैल की आवश्यकता भी पड़ सकती है। विभिन्न प्रकरणों में मुकदमा दायर करने हेतु धनराशि की आवश्यकता हो तो प्रावधान किया जाना चाहिये, जिसके लिये गैर रं लोगों से भी मदद लिया जा सकता है।

2. विशेषकर प्रशासन पर दवाब बनाकर और अपनी समस्याओं से बार–बार अवगत कराते हुये क्षेत्रीय अधिकारियों को गाँव तथा क्षेत्र में आमंत्रित करना चाहिये। भले ही वहाँ उन अधिकारियों का भव्य तरीकों से स्वागत भी क्यों न करना पड़े।

3. कई सालों से विशेषकर कोविड महामारी के दौरान खेलकूद (ज्यंग्मोथन) का आयोजन हो नहीं पाया है, इसके लिये केंद्रीय कार्यकारिणी की जिम्मेदारी होती है कि इसके लिये जो भी व्यय हो वहन करें।

4. अपने पैतृक गाँवो को भी आबाद किया जाना है, क्योंकि अधिकतर गतिविधियाँ गावों में होती है और कुछ ही धारचूला में होती है।

5. आई0टी0आई0 धारचूला शिफ्ट कर दिया गया है इसके लिये नयी बिल्डिंग बनायी जानी है। कौशल विकास के रूप में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट में पढ़ने वाले बच्चों के लिये यह आई0टी0आई0 लाभदायक होगा।

6. हार्टिकल्चर विभाग से अच्छे संबंध बनाकर रखें और संवाद हमेशा कायम रखते हुये उनसे अपने–अपने घाटी में विकास की योजनायें बनाये, भविष्य में हार्टिकल्चर की फंडिग आने की संभावना रहेगी।

7. इकोटूरिज्म के विकास के लिये भविष्य में लोकल लोगों को भी शामिल करने की कोशिश करनी चाहिये।

8. धारचूला शाखा के मार्गदर्शन के लिये एक कमेटी बनाया जाना जरूरी है। यह कमेटी शाखा को आगे ले जाने हेतु समय दे सके और शाखा को हर कदम मदद कर सके।

**श्री महिमन सिंह ह्यांकी** ने कहा कि किसी भी तरह से शाखा को सशक्त करने हेतू समय देना आवश्यक है। शाखा पदाधिकारियों का अधिकांश समय धारचूला में विभिन्न शौकनू में ही चला जाता है। अधिकांश युवक बेरोजगार हैं, उनके लिये कुछ किया जाना जरूरी है।

**डा0 रवि पतियाल** ने कहा कि जिस तरह से सोशियल मीडिया में बात होती है सीमित समय को देखते हुये सभी शिकायतों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। उन्हीं के केस को आगे बढ़ाये जो लिखित रूप से पत्र संस्था को देते हैं या निर्धारित बैठक में अपना विचार रखते हैं।

धारचूला से **श्री कृष्ण सिंह गर्ब्याल** ने कहा कि धारचूला शाखा महीने में अधिकतर समय समाज के हित में कई तरह के कार्य करती रहती है। सामाजिक सेवा में हमेशा तत्पर रहते हुये धारचूला शहर में 15–20 दिन तक शहर के स्वच्छता अभियान भी चलाया था। धारचूला शाखा के पदाधिकारियों ने टीम बनाकर ट्रैफिक कंट्रोल दिवस भी मनाया।

**संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल** ने कहा कि जिस तरह से रं राजू में कूछ लोगो को संस्था के गतिविधियों के बारे में पता नहीं होता और संस्था पर बिना विश्वास किये जो सवाल पूछे जाते हैं। अगर शाखा धारचूला प्रतिवर्ष एनुअल रिपोर्ट तैयार करे जिसमें वर्ष में जो भी शाखा स्तर पर गतिविधियाँ संपन्न की गयी हो उन गतिविधियों में अन्य शाखाओं तथा केन्द्रीय कार्यालय से जो–जो सहायता मिली उसका ब्यौरा तैयार करें और धारचूला में सदस्यों व जन साधरण को अवगत कराये तो यह एक अच्छी पहल होगी। इसके लिये एक सम्मेलन भी आयोजित भी करें, जिसके लिये केन्द्रीय कार्यालय को प्रस्ताव प्रेषित किया जाये।

**श्री राजेन्द्र सिंह गुंजियाल** ने यह सुझाव दिया कि आई0टी0आई0 हेतु फिलहाल धारचूला में चार कमरों वाले भवन में चलाया जा रहा है, अगर उसे गवर्नमेंट इंटर कालेज धारचूला जहाँ पूर्व में 2000 छात्र छात्रायें शिक्षा ग्रहण करते थे वहाँ भवन का सदुपयोग नहीं हो रहा है, उसके उपयोग हेतु आई0टी0आई0 को स्थापित करने हेतु रं कल्याण संस्था को कदम बढ़ाना चाहिये।

**श्रीमती शकुन्तला दताल** ने कहा कि समाज में उत्पन्न दरार को पाटने की कोशिश करना है।

**श्री हनुमान सिंह नबियाल** ने कहा कि बेरोजगारों को सहायता अवश्य करना चाहिये बशर्ते कि उस सहायता धनराशि को सही दिशा में सही चीज के लिये उपयोग करें ना कि बुरे व्यसन के लिये।

**श्री नर सिंह नपलच्याल** ने कहा कि धारचूला की सर्वांगीण विकास के लिये बहुउद्देशीय वर्कशॉप आहूत करना चाहिये।

अन्त में केंद्रीय अध्यक्ष ने विभिन्न वक्ताओं द्वारा प्रेषित सुझावों को संक्षेप में रखते हुये यह निर्णय लिया गया कि धारचूला शाखा की महत्व को ध्यान देते हुये उक्त सुझावों के मद्देनजर शाखा को सशक्त करने हेतु केंद्रीय कार्यकारिणी के बैठक में निर्णय लिया जायेगा।

**पिथौरागढ़ शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

पिथौरागढ़ शाखा से **श्री हेम सिंह गुंजियाल** ने अपने प्रस्तुतिकरण में कहा कि वे 10 साल से कोषाध्यक्ष के पद पर रहते हुये कार्य कर रहे हैं। रं छात्रावास का भी संचालन किया था। इस समय रं छात्रावास में 21 छात्र रह रहे हैं, जिसमें 5 छात्र व्यास घाटी से, 3 छात्र चौदास घाटी से, 13 छात्र दारमा घाटी के हैं। अभी रालम पातों घाटी से भी आने का इंतजार कर रहे हैं। इस समय छात्रावास में हर सुविधा दी जा रही है पढ़ाई का माहौल सुधर रहा है और पुस्तकालय को सुविधा पूर्ण बनाया जा रहा है। पिथौरागढ़ शाखा श्री मंगल सिंह कुटियाल जी के अति आभारी है जो हर महीने रू0 10,000/– रुपये छात्रावास के लिये देते रहे हैं। अब धीरे–धीरे छात्रावास का खर्चा हर महीने रू0 15,000 से 18,000/– तक बढ़ता जा रहा है। भविष्य में केन्द्रीय कार्यालय पर निर्भर रहना पड सकता है। पिछले बार केंद्रीय अध्यक्ष श्री बिशन सिंह बोनाल जी पधारे थे छात्रावास के समस्याओं एवं

पिथौरागढ़ शाखा के गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गयी थी। तद्नुसार छात्रावास में नई टेलीवीजन, दो कम्प्यूटर, सी0सी0टी0वी0 कैमरा तुरन्त ही संस्तुति देकर इंस्टाल कर दिया गया।

**बरेली शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

बरेली शाखा के तरफ से **श्री करन सिंह गुन्जियाल** द्वारा शाखा के गतिविधियों के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि बरेली में इलाज के लिये तीन गरीब वर्ग के लोग आये थे, जिन्हें उनके द्वारा रं राहत कोष से सहायता हेतु केंद्रीय कार्यालय को शाखा के माध्यम से आवेदन पत्र भेजा था। स्व0 श्री विजय गर्ब्याल, श्री नरेश दुग्ताल और कु0 संपति कुटियाल आदि को केंद्रीय कार्यालय से तत्काल राहत राशि प्रदान किया गया।

केंद्रीय कार्यालय द्वारा ओ पी आई बजट के रूप में दो लाख रूपये की धनराशि सामुदायिक केन्द्र मिलन घर के छत में लेन्टर डालने व अलमारी आदि के लिये प्रदान किया था। बरेली शाखा ने घोषणा करते हुये कहा कि बरेली स्थित सामुदायिक केन्द्र मिलन घर को अपने प्रस्ताव में लिये गये निर्णयानुसार उनके परिसंपतियो के अभिलेखों को केंद्रीय कार्यालय को सौंपना चाहते हैं।

बरेली शाखा के **अध्यक्ष श्री जीवन कुटियाल** ने कहा कि बरेली की सामुदायिक केन्द्र के निर्माण में श्री मंगल सिंह कुटियाल के सहयोग को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। पूर्व में यह संस्था के परिसंपत्तियों से बाहर रखा गया था तब केंद्रीय कार्यालय के मार्गदर्शन से प्रस्ताव लाया गया कि इसे संस्था के परिसंपत्तियों में जोड़ दिया जाये। प्रस्तुत किये गये अभिलेखों में भूमि के दो रजिस्ट्री भी संलग्न हैं, जिसे सभी सदस्यों की उपस्थिति में केन्द्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष व महासचिव के हाथो में बरेली शाखा के सदस्यों श्री फली दताल, श्री जीवन कुटियाल, श्री करन गुन्जियाल व मोहन सिंह ह्यान्की द्वारा भवन के रजिस्ट्री अभिलेखों को सौंपा गया और बरेली शाखा को केन्द्रीय महासचिव ने आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

**लखनऊ शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

लखनऊ शाखा के **अध्यक्ष श्री भवान सिंह गर्ब्याल** ने अपने शाखा के प्रस्तुतिकरण में कहा कि वे सात साल से अध्यक्ष का पद संभालते हुये आज ए0जी0एम0 में शाखा लखनऊ के गतिविधियों के बारे में बोलने का अवसर मिला है। यों तो लखनऊ का रं मं बं –रं चिम तत्कालीन उत्तराखंड सरकार की तरफ से जो भवन के निर्माण में सहयोग मिला है, उसके आभारी है साथ ही साथ हमारे संस्था के सक्रिय सदस्य श्री मंगल सिंह कुटियाल द्वारा 3 लाख और श्री करन सिंह गर्ब्याल द्वारा 15 लाख रूपये सहयोग राशि के रूप प्रदान कराये जाने से रं भवन के निर्माण में बहुत सहयोग मिला, उसके लिये दोनों लोगों का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद दिया। केंद्रीय कार्यालय द्वारा तीन लाख रुपये का सहयोग प्राप्त हुआ, जिससे भवन का रंग–रोधन व गेस्ट रूम के सामग्रियों को खरीदा गया। वैसे गतिविधियाँ होती रहती है समाज के होनहार खिलाडियों के प्रतिभाओं को बढ़ावा देने हेतु खेल प्रतियोगिता आदि का आयोजन करते रहते हैं और सभी शाखाओं को संदेश देते हुये कहा कि केंद्रीय कार्यालय जो भी आदेश शाखाओं को दे तो शाखाओं का कर्तव्य है कि उन कार्यो को पूरा करें। तभी प्रधान कार्यालय मजबूत होगा और तभी शाखाओं में भी गतिविधियाँ बढ़ेगी। इस बार ओ0पी0आई0 हेतु "घर–घर चलो अभियान" के तहत सहयोग राशि एकत्रित कर केंद्रीय कार्यालय को भेज दिया जायेगा। इतना कहकर सभी को शुभकामनाओ के साथ अपने संबोधन को विराम दिया।

**रालम पातों शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

रालम पातों शाखा के **अध्यक्ष श्री नेत्र सिंह दरियाल** ने अपने शाखा के प्रस्तुतिकरण में कहा कि वे लोग 2018 के ए0जी0एम0 से जुड़े थे, आज कयी लोग सदस्य बन चुके हैं जो कि संस्था के लिये गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि ओ0पी0आई0 मद में अभी तक रु0 1,55,383/–का योगदान दिया है आज 16 सदस्यों द्वारा 72,000/–का चैक कोषाध्यक्ष को प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि वे लोग पाँचवी बार भी एक ही समस्या को लेकर आये हैं। अन्य गाँव 50–50 किलोमीटर दूर रहकर भी सड़क मार्ग से जुड चुके हैं हम लोग 5 किमी0 की दूरी को भी कई सालों से प्रयास के बाद भी नहीं जुड़ पाये हैं। यह ग्राम सभा पातों के 2016 की स्वीकृत रोड के निर्माण में अभी तक प्रगति नहीं हुई है कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है। कोविड महामारी के दौरान संस्था की तरफ रालम पातों गाँवों में मेडिकल किट व अन्न योजना के अन्न पैकैट वितरण किये गये हैं। अंत में केन्द्रीय कार्यकारिणी से कृपादृष्टि बनाये रखने हेतू निवेदन किया ताकि उनका क्षेत्र भी जल्दी से सड़क मार्ग से जुड़ जाये।

**हल्द्वानी शाखा का प्रस्तुतिकरण :–**

हल्द्वानी शाखा के **सचिव श्री रितेश गुन्जियाल** ने अपने प्रस्तुतिकरण में कहा कि नैनीताल के जिलाधिकारी श्री धीराज गर्ब्याल द्वारा शाखा के अनुरोध पर रं मं बं –रं चिम के प्रांगण में सोलर लाइट की व्यवस्था कर दी गयी है। रं मं बं –रं चिम के रखरखाव हेतु जो भी अनुमानित व्यय का प्रस्ताव भेजा गया था उसे केंद्रीय कार्यालय द्वारा ए0जी0एम0 के रं मं बं –रं चिम में आयोजन हेतु प्रस्तावानुसार स्वीकृत किया गया था और बजट अवमुक्त भी कर दिया गया था। इसके अलावा इस कमी को पूरा करने हेतु जिलाधिकारी नैनीताल ने रं मं बं–रं चिम में रहने वाले विद्यार्थियों के कमरों के बाहर बरान्डे में व चौकीदार के कमरों के बाहर भी बारीश के पानी को अंदर आने से रोकने हेतु टीन के शेड बनाये गये, जिसके लिये सचिव रितेश ने आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद दिया। जिलाधिकारी नैनीताल ने हल्द्वानी शाखा को आश्वासन दिया है कि रं मं बं रं चिम के छत में टीन के शेड व सोलर पैनल लगा दिया जायेगा।

हल्द्वानी शाखा के **अध्यक्ष श्री होशियार सिंह ह्यांकी** ने कहा कि जब रं मं बं– रं चिम के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा था तो उन्हें हल्द्वानी के रं मं बं –रं चिम के खेमपुर भूमि के रजिस्ट्री के दस्तावेज प्राप्त हुये थे जिसे वे केंद्रीय अध्यक्ष व महासचिव को सभी के सम्मुख सौंपना चाहते हैं। फिलहाल हल्द्वानी में संस्था के तीन परिसंपति होने का समाचार है 1– वर्तमान भवन (रं मं बं –रं चिम खेमपुर), 2–हर्षिता नगर, 3– स्व0 रतन सिंह गर्ब्याल द्वारा प्रदान किया हुआ जमीन व उसका रजिस्ट्री (जिसका म्यूटेशन के कागजात के साथ भूमि का संज्ञान नहीं है)

वर्तमान भवन के रजिस्ट्री अभिलेख जिसे केंद्रीय कार्यालय को सौंपा जायेगा और हर्षिता नगर के प्लाट जिसके रजिस्टी के अभिलेख के बारे में किसी के संज्ञान में नहीं है लेकिन इनके बारे में हल्द्वानी शाखा पता लगाने की कोशिश जरूर करेगी। यह कहते हुये हल्द्वानी शाखा ने भूमि व रं मं बं –रं चिम खेमपुर भूमि के मूल रजिस्ट्री अभिलेखों को केंद्रीय अध्यक्ष व महासचिव को समारोह में उपस्थित सभी लोगों के सम्मुख सौंपा गया, जिसके लिये केन्द्रीय महासचिव ने शाखा हल्द्वानी शाखा का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

**देहरादून शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

देहरादून शाखा के **अध्यक्ष श्रीमती अमृता ह्यांकी** ने अपने प्रस्तुतिकरण में कहा कि देहरादून शाखा में कई तरह की गतिविधियों होती रहती है। हर तीसरे माह सेक्टर बैठक का आयोजन कर सेवानिवृत अधिकारियों व नये आने वाले कर्मचारियों का स्वागत समारोह किया जाता है। देहरादून में

लोगों के नये भवन के निर्माण के बाद गृह प्रवेश का समारोह मनाया जाता है, जिससे झमखो से प्राप्त धनराशि का 25% भाग शाखा को दिया जाता है, जिसे रं मं बं –रं चिम भवन के रखरखाव आदि में खर्चा किया जाता है। रं मं बं –रं चिम देहरादून में जरूरतमंद रं छात्राओं के रहने का छात्रावास की सुविधा है, जिसमें अभी 12 छात्रायें रह रही हैं ताकि पढ़ाई कर अपना कैरियर बना सकें। देहरादून में जब आपदा के दौरान बाढ़ आयी थी तो देहरादून की महिलाओं ने रू0 16,000/–का सामग्री खरीद कर मालदेवता के आपदा ग्रस्त इलाकों में जाकर कई तरह के सामग्रियों का वितरण किया ।

**दिल्ली शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

दिल्ली शाखा के **संरक्षक डा राजेश रौतेला** ने प्रस्तुतिकरण के दौरान दिल्ली रं मं बं– रं चिम के सम्बन्ध में बिस्तार से प्रस्तुत किया जहाँ प्रारम्भ से वर्तमान तक करीब 125 लोगों ने इस सुविधा का उपयोग किया है साथ में वर्षवार सुदूर गाँव से इलाज हेतु आये मरीजों का भी विवरण प्रस्तुत किया।

**मुरादाबाद शाखा द्वारा प्रस्तुतिकरण :–**

मुरादाबाद शाखा के **अध्यक्ष श्री मुकेश कुटियाल** ने कहा कि भले ही मुरादाबाद में सदस्यों के संख्याबल में कमी है लेकिन हम लोग हमेशा रं कल्याण संस्था के साथ है। शाखा में गतिविधियां नगण्य ही रहती है।

**अन्त में अध्यक्ष महोदय ने शाखाओं द्वारा किये जाने वाली विषय पर संक्षेप में निर्देश दिये :–**

1. धारचूला शाखा जहाँ सबसे ज्यादा गतिविधियां होती है, के साथ–साथ प्रत्येक शाखा को हर साल एक एनुअल रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य होगा, जिसे केंद्रीय कार्यालय के एनुअल रिपोर्ट के साथ मिलाकर तैयार किया जा सके।
2. शाखाओं में एक से ज्यादा खातो का संचालन ना किया जाय केवल रं कल्याण संस्था शाखा के नाम से पैन कार्ड नंम्बर का प्रयोग करते हुये एक ही खाते का संचालन हो।
3. हर शाखा का एक लैटर पैड हो जिसमें " रं कल्याण संस्था शाखा " का नाम भी लिखा होना जरूरी है इसे हर शाखा का लैटर पैड एक समान बनाये जाने हेतु निर्णय लिया गया।
4. पदाधिकारियों को शाखा अध्यक्ष, शाखा महासचिव आदि के नाम से अंकित किया जाये।
5. रं कल्याण संस्था शाखा के परिसंपत्तियों से जो प्राप्तियाँ होती हैं उसमें केन्द्रीय कार्यालय का कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। परिसंपतियों से होने वाली आय के लिये एस0ओ0पी0 बनाया जाये।
6. हर परिसंपत्तियों का बीमा भी कराया जाये और अग्नि से सुरक्षा हेतु अग्नि शमन यंत्र से सुसज्जित किया जाये।
7. हर शाखा से ओ0पी0आई0 सहयोग राशि समय से केंद्रीय कार्यालय में जमा हो।
8. जो भी सदस्य ओ0पी0आई0 को केंद्रीय कार्यालय के मुख्य खाते में जमा करते हो तो वे अपनी शाखा को भी सूचित कराये ताकि शाखा में भी रिकार्ड रहे जो कि केंद्रीय कार्यालय के खाते के रिकार्ड से मिलान किया जा सके ।
9. कुछ सदस्यगण ओ0पी0आई0 सहयोग राशि को ओ0डी0आई0 सहयोग राशि के रूप में देते आ रहे हैं तो उनसे अनुरोध किया जाता है कि ओ0पी0आई0 के रूप में ही पर्याप्त सहयोग राशि दिया जाये।

**एजेन्डा 2– रं राजू के चारों घाटी के एक–एक प्रतिनिधि द्वारा क्षेत्र एवं समाज से जुड़ी समस्याओं पर प्रस्तुतिकरण :–**

सर्वप्रथम **दारमा घाटी से श्री ललित ग्वाल** ने प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुतिकरण देते हुये कहा कि यो तो हर घाटी में समस्याओ का अंबार है परंतु दारमा घाटी के वर्तमान समस्या के रूप में दारमा के

धौलीगंगा नदी में बन रहे बुकांग– बालिंग हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट जिसे आपने एजेन्डा में सम्मिलित किया है ताकि विचार विमर्श कर किसी नतीजे पर पहुँच सकें। इसके दूरगामी असर से सभी दारमावासियो चिंतित है और चल सेला झूला पुल मुख्यमंत्री के घोषणा के बाद भी वैसी ही अवस्था में है इस पर सहयोग की आवश्यकता है। इसके साथ ही कई समस्याओं जैसे ग्वो गाँव के पुल, तीदग– सीपू मार्ग, गलाती में तटबंध, दर गाँव में भू–स्खलन से पलायन, धंसते हुये दारमा की सड़कें, चिकित्सा सुविधा उपलब्ध ना होने, डाकर गाँव में आई0टी0बी0पी0 बसे होने से वहाँ पानी में गंदगी भर जाना ऐसे कई समस्यायें हैं उन पर भी ध्यान देना आवश्यक है उम्मीद करता हूँ कि भविष्य में कुछ समस्यायें हल हो जायेंगी।

**चौदास घाटी से श्री मोहन सिंह ह्यांकी** ने प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुतिकरण देते हुये कहा कि पहले ग्राम रूंग सड़क मार्ग से जुड़ा नही था अब सड़क मार्ग का कार्य प्रगति पर है। स्यंग्सै पूजा से पूर्व रोड बनकर तैयार हो जाता तो सुविधा पूर्ण हो जाती। जयकोट की तरफ से भी सड़क मार्ग बननी है उसके लिये भी सरकार को संस्था की तरफ से प्रतिवेदन भेजे जाने का अनुरोध करता हूँ। ग्राम रूंग की आयुर्वेद अस्पताल का जीर्णोद्धार होना जरूरी है और तीनों गाँव के बीच स्थित माकम स्कूल के भवन का जीर्णोद्धार होना भी आवश्यक हो गया है।

**व्यास घाटी से श्री अशोक सिंह नबियाल** ने कहा कि तीन गाँव बुदी, रोंगकोंग व कुटी में जो उरेडा द्वारा बिजली का प्रोजेक्ट चल रहा है 10–15 सालों से कोई प्रगति नहीं हुयी है। केंद्रीय कार्यकारिणी से अनुरोध है कि उरेडा पर दवाब डालकर इस प्रोजेक्ट को पूरा करने को कहा जाये। गर्ब्यांग गाँव के किनारे भी तटबंदी कराने हेतु सुझाव रखा। गर्ब्यांग से छांगरू तिंकर जाने वाला सीतापुल के लिये धारचूला शाखा की तरफ से उनके परमिट बनवाने हेतु हमेशा कोशिश को जाती रही है ताकि उनको कोई भी परेशानी ना हो क्योंकि उस गाँव में रं कल्याण संस्था के कई सदस्यगण भी है। अशोक नबियाल ने होम स्टे योजना के तहत यह पूछा कि हमारी भूमि का अधिकार कैसे होना चाहिये कि भूमि दिया जाये या नहीं। एक बार श्री दरबान सिंह गर्ब्याल ने माटी संरक्षण के माध्यम से अपनी जमीन को बचाने हेतु बहुत कुछ कहा था। अब संस्था से निवेदन है कि बाहरी लोगों को किसी भी माध्यम से जमीन नहीं देने का आह्वान करना चाहिये। इसी के साथ इस शानदार आयोजन के लिये हल्द्वानी शाखा के अध्यक्ष व उनके टीम को बधाई व शुभकामनाएँ देकर अपने संबोधन में विराम दिया।

**शौका समाज से श्रीमती यशोदा तिंकरी** ने प्रस्तुतिकरण में कहा कि रं मी रं स्या का यह दूसरे दिन का सफर में आज मुझे कुछ कहने का मौका मिला है। कई विषयों को छूते हुये कई निर्णय लिये जा रहे हैं बेरोजगारी की बात भी हुयी है। हमारी पहचान की संरक्षण के लिये भी बात की जानी चाहिये। हर परिस्थितियों में भी हमारी पहचान होनी चाहिये और विश्वास दिलाया कि संस्कृति की पहचान हेतु संस्था लगी हुयी है। श्रीमती तिंकरी ने कहा कि छांगरू व तिंकर गाँव में बेरोजगारी दूर करने के लिये औरतों का समूह बनाकर सहकारी समिति बनायी गयी है, जिसमें रोजगार के लिये हर काम बताया जाता है और अच्छी तालीम भी दी जाती है। अब तिंकर में भी वंशावली पर भी काम प्रगति पर है इतना कहकर अपने संबोधन को विराम देकर इस आयोजन हेतु हल्द्वानी शाखा को बधाई व धन्यवाद दिया।

**रालम पातों घाटी द्वारा प्रस्तुतिकरण** :– रालम पातों शाखा की तरफ से **श्री नेत्र सिंह दरियाल** ने कहा कि रालम गाँव में जाने के लिये मोटर मार्ग भी नहीं है पैदल मार्ग बनाने के लिये भी सरकार को सुध नहीं है। खुद गाँव वाले विभिन्न स्रोतों से धनराशि एकत्रित कर सामुहिक रूप से कार्य करते हैं। 12 किमी0 नीलम से पातों तक पी0डब्लू0डी0 द्वारा कार्य ही नहीं हुआ है अब वे चाहते हैं कि पी0डब्लू0डी0 से इस जिम्मेदारी को स्थानांतरित कर दे। अक्सर वक्ताओं द्वारा अपने संबोधन में तीन

घाटी कहा जाता रहा है तो अनुरोध करते हुये कहा कि चार घाटी कह कर संबोधन करें तो उन्हें भी अच्छा लगेगा।

**एजेन्डा 3– रं संग्रहालय–पुस्तकालय पर परिचर्चा :–**

रं संग्रहालय–पुस्तकालय पर परिचर्चा हेतु महासचिव ने **डा0 रवि पतियाल** को मंच पर आमंत्रित किया और उन्होंने कहा कि भले ही बोलने के लिये समय कम है लेकिन बात कम से कम करके ज्यादा से ज्यादा काम करना जरूरी है। भरोसा है कि इस कार्य को लक्ष्य के भीतर ही पूरा किया जायेगा। आने वाले समय में हमारे म्यूजियम में रं संस्कृति की झलक के दर्शन हो जिसका माध्यम यह म्यूजियम होगा। इस म्यूजियम को इंटरनेशनल लेवल की तरह बनाने का प्रयास रहेगा। म्यूजियम के दायित्व को पूरा करने हेतु दो कमेटी बनायी गयी है मैनेजमेंट कमेटी व स्टीयरिंग कमिटी, जिसका नोटिफिकेशन पूर्व में ही जारी कर दिया गया है। इसके आगे के कार्य को बायलाज के हिसाब से किया जायेगा, जिसके लिये बजट संस्था को भेज दिया गया है। मार्च 2023 तक 9 लाख का बजट प्रस्तुत किया गया है म्यूजियम से जो भी आय होगा केन्द्र को भेज दिया जायेगा। आज की सबसे बड़ी समस्या आर्टिफेक्ट के लिये कलेक्शन का ना होना। अब उन सामग्रियों को खरीदे जाने का कमेटी बनाया गया है ।

**श्री अरविन्द ह्यांकी** ने सुझाव दिया कि डा0 रवि ने बहुत ही सत्य बात प्रस्तुत किया है म्यूजियम में कयी सामग्रियाँ तो टूटी–फूटी है तो दिखायेंगे क्या, अगर खरीदने से भी नही मिलेगा तो डुप्लीकेट मोड पर जाना होगा। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुये कहा कि 10 लाख रुपये सांसद माननीय श्री अजय टम्टा जी ने घोषणा की है उस धनराशि से म्यूजियम के कार्यो को म्यूजियम के नाम दे के पूरा कर सके तो इसके लिये आरटिफेक्ट के खरीदने हेतु प्रोपोजल बना ले और सदन से संस्तुति ले ले तो कार्य पूरा किया जा सकता है जिसे सदन के सदस्यों ने सहमति प्रदान कर इस सुझाव का समर्थन किया ।

**एजेन्डा–4– रं शिक्षा कोष नियमावली में संशोधन :–**

पिछले वर्षो में शिक्षा कोष से दिये जाने वाली शिक्षा राशि का सदुपयोग हो नहीं सका। अतः संशोधन हेतु सदन में रखा गया। बिस्तार से चर्चा पश्चात् यह निर्णय लिया गया कि एक ड्राफ्ट प्रोपोजल बनाया जाये फिर केंद्रीय कार्यकारिणी के बैठक में फिर से परिचर्चा कर निर्णय लिया जा सके।

**एजेन्डा–5– रं राहत कोष नियमावली में संशोधन एवं आपदा राहत कोष के संचालन पर परिचर्चा :–**

रं राहत कोष की नियमावली में संशोधन 2019 में बनाकर ए0जी0एम0 –2020 में स्वीकृति करायी गयी थी जो कि सिर्फ रं राहत कोष से गरीब असहाय बीमार लोगों को, अचानक परिवार के कमाऊ मुखिया के मृत्यु के अवस्था में एवं परिसंपतियो की आपदा से क्षति व आगजनी से नुकसान में दिया जाता रहा है। श्री महिराज ने कहा कि र कल्याण संस्था की बात हो रही है तो सिर्फ रं लोगों के लिये ही होना चाहिये और फंड का उपयोग रं लोगो के हित में ही होगा।

आपदा कोष हेतु नियमावली भी बनाने की जरूरत है जिसे अन्य लोगों को जो रं नहीं है उनको भी आपदा कोष से राहत राशि दिया जा सके। आपदा राशि से किसी को सहायता देना हो तो अलग से मुहिम चलाया जायेगा उसी मुहिम के एकत्रित धनराशि से हर वर्ग के आपदा पीड़ित लोगों को भी राहत दिये जाने में सहमति हुयी। केन्द्रीय अध्यक्ष जी ने निर्देशित किया कि आपदा राहत के लिये नया खाता खोला जाये ताकि जब भी आपदा राहत हेतु मुहिम चलाया जाय तो वह धनराशि इस खाते में जमा की जा सके फिर इसी खाते से वितरित भी किया जा सके। वह रं राहत कोष से बिल्कुल अलग

होगा। इसके लिये आपदा राहत नियमावली के ड्राफ्ट तैयार करने हेतु निम्न सदस्यों की समिति गठित की गयी :–

1– श्रो चन्द्र सिंह नपलच्याल

2– श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी

3– श्री नर सिंह नपलच्याल

4– श्री करन ग्वाल

**एजेन्डा–6– ओ0पी0आई0 के माध्यम से रं राजू के प्रमुख त्योहारों व मेले के आयोजन हेतु (रं संस्कृति के संरक्षण के धिये प्रोत्साहन स्वरूप) संस्था द्वारा आर्थिक सहायता दिये जाने पर परिचर्चा तथा रं उद्यमियों जैसे स्टार्ट अप/इन्टरप्रिन्योरशिप को सहयोग दिये जाने पर परिचर्चा :–**

अवगत कराया गया कि इससे पूर्व ओ0डी0आई0 के रूप में सहयोग राशि प्राप्त होती थी अब ओ0पी0आई0 के माध्यम से एकत्रित धनराशि की सीमा भी बढ़ गयी है इस बढ़ी हुयी धनराशि का सदुपयोग ना होने पर इनकम टैक्स व ऑडिट आपत्ति हो सकती है। कोरपस फंड के नाम पर 15% अलग से प्रावधान है ताकि उसे समय आने पर कल्याणकारी योजनाओं में खर्चा किया जा सके।

इसके लिये अध्यक्ष जी ने सुझाव दिया कि अगले केंद्रीय कार्यकारिणी के बैठक में इस पर विचार विमर्श करके ठोस निर्णय लिया जायेगा तब तक श्री नर सिंह नपलच्याल, संस्था के सी0ए0 से विचार विमर्श करेंगे। इसी के साथ श्री सोमी सिंह दुग्ताल से स्टार्ट अप पर नोट प्रस्तुत करने को कहा गया ताकि केन्द्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक में चर्चा किया जा सके।

**एजेन्डा –7 दारमा घाटी के धौली गंगा में प्रस्तावित बुकांग–बालिग हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट पर परिचर्चा :–**

इस एजेन्डा पर सत्यवान सिंह गर्ब्याल जी ने प्रस्तुतिकरण दिया था, जिसमे उन्होंने प्रोजेक्ट की वजह से होने वाले प्रभाव पर भी विचार व्यक्त किये। हालांकि इस प्रोजेक्ट के बारे में शुरूवाती दौर में दारमावासियो के संज्ञान में नहीं था। शनै–शनै लोगों को पता चला कि यहाँ हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना के तहत सुरंग के जरिये छुंगर में पॉवर हाउस बनाया जा रहा है, लेकिन दारमा में आये दिन बरसात के दौरान भूकंप, भूस्खलन, हिमस्खलन होने की वजह से वहाँ की जमीन भी टूटती रहती है तो समस्त दारमा क्षेत्र के प्रभावित होने की वजह से दारमावासियों ने प्रोजेक्ट से वाकिफ होकर छिरकला डैम से सीख लेते हुये सरकार से इस प्रोजेक्ट को बंद करने की गुहार लगाने की प्रक्रिया में कदम आगे बढ़ाने हेतु निर्णय लिया है, जिसके लिये स्थानीय संस्था "दिलिन दारमा सेवा समिति" के समस्त जनता के साथ आगे बढ़ने लिये निश्चय कर चुकी है। इसी क्रम में रं कल्याण संस्था के द्वारा भी निर्णय लिया गया कि वह भी जनता की भावना से जुड़ते हुये तार्किक अंत तक सहयोग करने हेतु संकल्पित है।

**एजेन्डा –8 रं कल्याण संस्था के संरक्षक पद पर चयन/नियुक्ति हेतु एक संस्थागत व्यवस्था बनाने पर परिचर्चा :–**

संस्था के प्रथम बायलाज में संरक्षक का पद को कार्यकारिणी में रखा गया है। सन् 1999 में लखनऊ ए0जी0एम0 के दौरान संरक्षक पद को आजीवन रखते हुये श्री नृप सिंह नपलच्याल जी को निर्वाचित किया गया। संरक्षक जी ने कहा कि इससे पूर्व के ए0जी0एम0–2021 में एक प्रस्ताव रखा गया था कि संस्था में निरंतरता को बनाये रखने के लिंये निवर्तमान अध्यक्ष को संरक्षक बनाया जाना चाहिये। अब समय आ गया है कि आज इस पर विचार विमर्श करके निर्णय लिया जाये कि निवर्तमान अध्यक्ष

को संरक्षक चुना जाये या किसी भी योग्य सदस्य को संरक्षक पद पर चुनाव कराया जाये। इसके लिये एक संस्थागत व्यवस्था बनायी जाये तो समस्या नहीं होगी। इस बिन्दु पर श्री बिशन सिंह बौनाल वर्तमान अध्यक्ष ने सुझाव दिया कि अच्छा होगा कि यदि इसे निवर्तमान अध्यक्ष को संरक्षक बनाने के बजाय ओपन रखा जाये। काफी विचार विमर्श किया गया और निर्णय लिया गया कि श्री नृप सिंह नपलच्याल जी को संस्था में मुख्य संरक्षक के पद पर आजीवन रहे इसके लिये संस्था के बायलाज में मुख्य संरक्षक के पद के लिये निम्न संशोधन किया गया –

"सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि संस्था के मुख्य संरक्षक का पद सृजित किया जाता है। वर्तमान संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल उक्त नव सृजित पद के लिये निर्वाचित किये जाते हैं। यह भी निर्णय लिया गया कि मुख्य संरक्षक कार्यकारिणी के सदस्य नहीं रहेंगे तथा वे केवल संस्था के मुख्य संरक्षक कहलायेंगे।"

विधिवत निर्वाचन की उक्त प्रक्रिया के पश्चात वर्तमान संरक्षक महोदय द्वारा अपना त्याग पत्र अध्यक्ष जी को सौंपा जिसे उनके स्वास्थ्य समस्या को संज्ञान लेते हुये सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया तथा संरक्षक पद के लिये निर्वाचन करने का निर्णय लिया गया।

**एजेन्डा –9 ए0जी0एम0 –2023 के लिये स्थान का चयन/निर्धारण :–**

जब रालम पातों शाखा द्वारा निवेदन किया गया था कि उनके गाँव में भी ए0जी0एम0 का आयोजन हो तो इस बात को ध्यान में रखते हुये यह निर्णय लिया गया कि वहाँ कई कि मी पैदल मार्ग और वैसी व्यवस्था होगी या नहीं इस विचार से मदकोट में आयोजन किये जाने का विचार किया गया। रालम पातों शाखा की तरफ से इस पर सहमति व्यक्त नहीं किये जाने पर बरेली में मिनी ए0जी0एम0–2023 का आयोजन किये जाने हेतु बरेली शाखा से विचार पूछा गया तो शाखा संरक्षक श्री फली दताल ने कहा कि सर्वप्रथम वे अपने शाखा में विचार विमर्श कर बता पायेंगे कि बरेली में हो पायेगा या नहीं। इसके लिये सदन द्वारा केन्द्रीय कार्यकारिणी को मिनी ए0जी0एम0–2023 के स्थान चयन कर अन्तिम निर्णय लिये जाने हेतु अधिकृत किया गया।

श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी ने सुझाव दिया कि मिनी ए0जी0एम0 ऐसी जगह हो जहाँ आसानी से पहुंचा जाये और बैठक में भाग लेकर दूसरे दिन वापस आ सकें जहाँ बैठक में आसानी से परिचर्चा हो। दो दिवसीय ए0जी0एम0 गाँवों में रं महोत्सव के साथ आयोजित किया जा सके।

**एजेन्डा–10 अध्यक्ष के अनुमति से :–**

संस्था के संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल ने कहा कि इनर लाइन हमारे समाज के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है लेकिन हम लोग अपने दायित्व को भूल जाते हैं। धारचूला में जनसंख्या का परिवर्तन सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। यह स्वाभाविक तरीके से नहीं हो रहा है। अन्य समुदाय द्वारा लोगों को जबरदस्ती अन्य शहरों से ले जाकर बसाया जा रहा है। धारचूला के स्थानीय लोगों का क्या दायित्व होना चाहिये उसके लिये एक प्रस्ताव रखा जा रहा है इसलिये उन दायित्वों को याद करते हुये उसका पालन भी किया जाये। इसके लिये आज हल्द्वानी ए0जी0एम0–2022 के अवसर पर हल्द्वानी संकल्प प्रस्तावित किया गया–

1. "रं राजू में गैर स्थानीय जनजातियों तथा गैर जनजातियों को अपनी भूमि भवन और अचल संपतियो का विक्रय, अंतरण, सरकारी कर्मचारियों को किराये के अलावा अन्य कारोबारियों को किराये पर भी नहीं देंगे।

2. कुमांग में धारचूला क्षेत्र में स्थानीय तथा रं लोग अपने जमीन/मकान, दुकान धारचूला के मूल निवासियों को छोड़कर अन्य किसी को ना बिक्री करेंगे ना ही किराये पर देंगे। यथासंभव हर कार्य के लिये अपने लोगो को ही प्राथमिकता देंगे।
3. अपनी अस्मिता/पहचान/संस्कृति को संरक्षित करेंगे और अपनी नई पीढ़ी को उनके प्रति जागरूक करेंगे तथा उनके संरक्षण के लिये संकल्पित करने के लिये अपने को उत्तरदायी बनायेंगे।" उक्त हल्द्वानी संकल्प समस्त सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से ध्वनिमत द्वारा पारित एवं अंगीकृत किया गया।

**एजेन्डा–11 केंद्रीय कार्यकारिणी के नवीन पदाधिकारियों का विधिवत निर्वाचन एवं शपथ :–**

केंद्रीय कार्यकारिणी का विधिवत निर्वाचन किया गया तथा निम्न पदाधिकारी सदन के द्वारा निर्वविरोध निर्वाचित किये गये :–

| पदनाम | निर्वाचित पदाधिकारी |
|---|---|
| 1–संरक्षक– | श्री बिशन सिंह बौनाल |
| 2–अध्यक्ष– | श्री करन सिंह गर्ब्याल |
| 3– उपाध्यक्ष– | श्री शंकर सिंह दरियाल |
| 4– उपाध्यक्ष (महिला)– | श्रीमती करूणा खुन्नू |
| 5– महासचिव– | श्री धीरेन्द्र सिंह दताल |
| 6– उपमहासचिव– | श्री नेत्र सिंह दुग्ताल |
| 7– कोषाध्यक्ष– | श्री नर सिंह नपलच्याल |
| 8– उपकोषाध्यक्ष– | श्री जयप्रकाश सिंह नपलच्याल |
| 9– कार्यालय सचिव– | श्री मनीष सिंह दरियाल |
| 10– प्रधान संपादक– | श्री रमेश सिंह पतियाल |
| 11– सहायक संपादक– | श्री जीवन सिंह दुग्ताल |
| | श्रीमती प्रतिभा नपलच्याल |
| 12– सांस्कृतिक सचिव– | श्री जीवन सिंह सीपाल |
| 13– उप सांस्कृतिक सचिव– | श्रीमती भावना पतियाल |
| 14– खेल सचिव– | डा0 किशोर सिंह सिर्खाल |
| 15– वित्तीय सलाहकार– | श्री संतन सिंह फकलियाल |
| 16– विधि सलाहकार– | श्री नारायण सिंह ह्यांकी |
| 17– ऑडिटर– | श्री गोपाल सिंह दुग्ताल |
| | श्री कमल सिंह कुटियाल |
| | श्री रविन्द्र सिंह फकलियाल |

मुख्य संरक्षक द्वारा आम सभा में उपस्थित समस्त नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद और कर्तव्य का शपथग्रहण कराया गया।

अंत में केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्री भवान सिंह सोनाल जी ने उदघाट्न समारोह में पधारे तीनों विशिष्ट अतिथिगण, संरक्षक श्री नृप सिंह नपलच्याल जी, केंद्रीय अध्यक्ष श्री बिशन सिंह बोनाल, समस्त केंद्रीय पदाधिकारीगण, समस्त शाखाओं से पधारे पदाधिकारीगण, मंच संचालक श्री अरबिन्द सिंह ह्यांकी, नैनीताल के जिलाधिकारी श्री धीराज गर्ब्याल, अपर आयुक्त, कुमाऊँ श्री जीवन सिंह नगन्याल, रं समाज के अति वरिष्ठ सम्मानीय बुजुर्ग गण, सम्मानीय माताओं व भाइयों बहनो, भारतीय जीवन बीमा के क्षेत्रीय प्रबंधक एवं विशेषकर हल्द्वानी ए0जी0एम0 के आयोजक शाखा अध्यक्ष श्री होशियार सिंह ह्यांकी एवं उनके समस्त टीम का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद दिया और दूर–दूर से आये सांस्कृतिक टीम का भी आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया और नवनिर्वाचित केन्द्रीय पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनायें देते हुये सभा समाप्ति की घोषणा कर अगले ए0जी0एम0–2023 में सभी से मिलने का अनुरोध किया।

**महासचिव**
**रं कल्याण संस्था**